पी.जी.डी.आई.बी.ओ

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आई.बी.ओ)

सत्रीय कार्य

2014–15

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य – 2014–15

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2014 और जुलाई 2014)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2014** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2014** है।

2. जो **जूलाई 2014** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2015** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **25 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **25 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-01/टी.एम.ए./2014–15**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) विश्व व्यापार की प्रवृत्तियों का वस्तु संरचना, क्षेत्र, प्रमुख व्यापारिक देशों और दिशा के संदर्भ में वर्णन करें।
   (ख) विकासशील देशों द्वारा सामना किये जाने वाली समस्याओं को समझाइये। (10+10)

2. (क) TNCs (बहुराष्ट्रीय) निगम क्या हैं? फर्में ट्रान्शनेसनल क्यों हो जाती हैं?
   (ख) विश्व अर्थव्यवस्था में बहुराष्ट्रीय निगमों के उदभव को समझाने वाले सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए। (10+10)

3. निम्नलिखित में भेद कीजिएः
   (क) व्यर्थ व अवैध समझौते
   (ख) व्यर्थ समझौते व व्यर्थ अनुबंध
   (ग) वैश्वीकरण व ग्लोकलाइजेशन
   (घ) तदर्थ एवं संस्थागत विवाचन (4x5)

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) GATT (गैट) व WTO (विश्व व्यापार संघ) में कोई अन्तर नहीं है।
   (ख) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) मेज़बान देशों (Host Country) को विदेशी पूंजी व तकनीक प्रदान करते हैं।
   (ग) मुक्त व्यापार सदैव व्यापारहीनता से श्रेष्ठ होता है।
   (घ) भुगतान शेष स्थिति विदेश विनिमय बाजारों को प्रभावित करती है। (4x5)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) WTO
   (ख) व्यापार तथा सामाजिक उत्तरदायित्व
   (ग) इलेक्ट्रानिक कॉमर्स (e-Commerce)
   (घ) वर्ल्ड वाइड वेब (www) (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-02/टी.एम.ए./2014–15**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद जीवन चक्र की अवधारणा को समझाइये। उत्पाद विकास की प्रकिया को भी समझाइये। (20)

2. सेवाओं से आप क्या समझते हैं? यह उत्पाद से किस प्रकार भिन्न है? सेवाओं के विपणन की चुनौतियों की भी व्याख्या कीजिये। (20)

3. (क) अंतर्राष्ट्रीय बाजार विभक्तिकरण के विभिन्न आधारों को समझाइये।
   (ख) अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में लक्ष्य निर्धारण की विभिन्न नीतियों की चर्चा कीजिए। (10+10)

4. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिए :
   (क) प्रत्यक्ष निर्यात एवं अप्रत्यक्ष निर्यात
   (ख) बहुराष्ट्रीय विपणन एवं वैश्विक विपणन (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) अंतर्राष्ट्रीय विपणन संप्रेषण
   (ख) अंतर्राष्ट्रीय वितरण (10+10)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी.ओ. – 03
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	भारत का विदेशी व्यापार
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-03/टी.एम.ए./2014–15
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. व्यापार की दिशा के संदर्भ में भारत के विदेश व्यापार के बदलते पैटर्न का विश्लेषण करें। क्या आपको लगता है कि नयी व्यापार नीति प्रभावी है? समझाइये। (20)

2. नयी औधोगिक नीति के प्रमुख घटक (प्रकृति) क्या हैं? इस नीति का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कितना अनुकूल प्रभाव पड़ा है? (20)

3. (क) यूरोपियन युनियन का मुख्य देशों के साथ व्यापार संबंधो का विश्लेषण कीजिये।
   (ख) क्या आपको लगता है कि भारत के लिये संयुक्त राष्ट्र अमेरिका (USA) एक बहुत महत्वपूर्ण बाज़ार है? व्याख्या कीजिये और विभिन्न वस्तु विश्लेषण की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिये। (10 +10)

4. भारत से कृषि और रेडीमेड कपड़ों का निर्यात बढ़ाने के लिये सरकार के उपायों का वर्णन कीजिये। इन निर्यातों को बढ़ाने के लिये आप किन रणनीतियों का सुझाव देंगे। (20)

5. दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ (ASEAN) और सार्क (SAARC) की इनके सदस्य देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने में क्या भूमिका है? चर्चा कीजिये। भारत और दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ के बीच व्यापार की क्या संभावनाये हैं? (20)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**निर्यात–आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-04/टी.एम.ए./2014–15**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. आप सिंगापुर को कपड़ा निर्यात करने की योजना बना रहे हैं। CIF अनुबंध के तहत, आवश्यक प्रलेखों की परिगणना कीजिये। वाणिज्यिक बीजक (Commercial invoice) और लदान बिल की विशेषताओं को बताइए। विभिन्न प्रकार की लदान बिल की भी चर्चा कीजिये। (20)

2. साख पत्र व्यवस्था के अंर्तगत भुगतान प्राप्त करने की क्रियाविधि का विवेचन कीजिए। आयातकर्ता एवम निर्यातकर्ता के दृष्टिकोण से इसके लाभ का उल्लेख कीजिए । (20)

3. निम्नलिखित में अन्तर बताइएः
   (क) लाइनर तथा ट्रैम्प पोत परिवहन सेवाएं ।
   (ख) खुला संरक्षण तथा खुली पॉलिसी । (10+10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) 'निर्यात प्रोत्साहन अब एक सर्वव्यापी प्रथा बन गई है'।
   (ख) निर्यात ऋण गारंटी निगम (ECGC) कोष के हस्तांतरण पर रोक के राजनैतिक जोखिम का बीमा नहीं करता।
   (ग) अग्रिम प्राधिकार सम निर्यात (deemed export) के लिए दिया जा सकता है।
   (घ) निकासी एवं अग्रप्रेषण एजेन्ट माल के कुशल संचालन में सहायता नहीं करते हैं।
   (ड) जहाजी माल बीमा माल की हानी के लिए संरक्षण नही प्रदान करता है । (5x4)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिएः
   (क) तुरत माल (Rush Cargo)
   (ख) बीमाकृत व्यक्ति के उत्तरदायित्व
   (ग) निर्यात घोषणा फार्म
   (घ) आस्थगित साख सुविधाएं (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई. बी.ओ. – 05**
पाठ्यक्रम का षीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-05/टी.एम.ए./2014–15**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. किसी संगठन के लॉजिस्टिक्स प्रबंधन से सम्बन्धित तीन प्रमुख अवधारणायें क्या हैं? उनकी संक्षिप्त रुप से व्याख्या करें और बतायें की उनमें से किसे आप सर्वोतम विधि मानतें हैं और क्यों? (20)

2. वर्गीकरण सर्वेक्षण, पंजीकरण सर्वेक्षण और बीमा करने वालों द्वारा सर्वेक्षण के बीच अन्तर को बताइये और वर्गीकरण संस्था द्वारा जहाज पर किये जाने वाले मुख्य जांचो का नाम लेकर बताइए। (20)

3. वाणिज्यिक नौपरिवहन की मुख्य विशेषताओं को बताइए और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास में इसके महत्व की व्याख्या कीजिए। (20)

4. निम्नलिखित में अंतर बताइएः
   (क) चार्टर पार्टी और लदान बिल
   (ख) भार टन और गणना टन (10+10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
   (क) संयुक्त उपक्रम
   (ख) ABC विश्लेषण
   (ग) निर्यात आर्डर
   (घ) लॉजिस्टिक में सूचना प्रणाली (4x5)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई. बी.ओ. – 06
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-06/टी.एम.ए./2014–15
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. विदेशी विनिमय बाजार क्या है? भारतीय विनिमय बाजार की संरचना की व्याख्या कीजिए। (8+12)

2. भुगतान शेष क्या है? इसके विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए। विकाशील देशों के आर्थिक नियोजन में इसके महत्व की व्याख्या कीजिए। (4+8+8)

3. परियोजना समीक्षा की विभिन्न DCF व गैर DCF तकनीकों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (20)

4. (क) अंतर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबन्ध के महत्व व आवश्यकता की व्याख्या कीजिए।

   (ख) उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए कि फयूचर्स किस प्रकार से अच्छी हेंजिंग तकनीक हो सकते हैं? (10+10)

5. इक्विटी पूंजी की लागत के गणना करने की विधियां लाभांश मूल्यांकन मॉडल व पूंजी परिसम्पति मूल्यांकन मॉडल (CAPM) की व्याख्या कीजिए। (10+10)